AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

अभियान | लखनऊ विश्वविद्यालय में ऑनलाइन गेमिंग की लत से मुक्ति के लिए कार्यशाला का आयोजन

मोबाइल की लत न लगाएं, बच्चों को समय दें माता-पिता

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। आजकल बच्चों को समय न देना पड़े, इसके लिए माता-पिता ने एक सरल तरीका निकाल लिया है। वे बच्चों को ऑनलाइन कार्टून या फिल्म लगाकर उन्हें मोबाइल दे देते हैं, जो बहुत ही गलत है। यही वह छोटी सी गलती बच्चों को मोबाइल का लती बनाने का काम कर रही है।

53% बच्चे पढ़ाई के समय मोबाइल पर खेल रहे ऑनलाइन गेम

यह कहां साइबर एक्सपर्ट और मनोवैज्ञानिक प्रो. प्रदीप कुमार खत्री ने कही। वे मंगलवार को लखनऊ विवि के मालवीय सभागार में 'मोबाइल गेमिंग डीएडिक्शन अभियान के अंतर्गत 'खेलो। मगर ध्यान से' कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के तौर पर बोल रहे थे। प्रो. खत्री ने अभिभावकों को समझाते हुए कहा कि सिट्टिंग जुकाम में आराम देती है लेकिन इसका अधिक इस्तेमाल करने से लत लग जाती है। ठीक यही बात मोबाइल एडिक्शन में भी है।

कार्यक्रम में साइबर एक्सपर्ट के तौर पर मौजूद एडीसीपी चिरंजीव नाथ सिन्हा ने कहा कि 53 फीसदी बच्चे ऑनलाइन गेमिंग का शिकार हैं। सबसे अधिक ऑनलाइन गेम खेलने का जो समय देखा गया है, वह सुबह चार से छह बजे और शाम तीन से छह बजे के बीच का होता है। यह वह टाइम है जब बच्चे पढ़ाई के नाम पर मोबाइल का इस्तेमाल करते हैं।

उन्होंने कहा, एआई डीफेक ऑनलाइन गेमिंग की जद में ले रहा है। 95 फीसदी डीफेक तकनीक फेनीशियनों में इस्तेमाल हो रही है। इसलिए सभी को सेलाल साइट्स पर अपनी तस्वीरें कम से कम डालनी चाहिए। कार्यक्रम में उम्मीद संस्था के चलबीर सिंह ने कहा कि हमें मोबाइल को अपने ऑफिर में रखना है उसके डिसऑर्डर में नहीं जाना है।

कार्यशाला में मौजूद उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक व बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह। अमर उजाला

मोबाइल इस्तेमाल की समय सीमा तय करें : ब्रजेश पाठक

मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि हमें मोबाइल इस्तेमाल को समय सीमा को तय करना होगा। इसकी लत नहीं लगने देना है। उन्होंने अपील की कि गृह जुगड़ वाला कोई भी काम न करें और ये अपने लक्ष्य तय कर मेहनत से आगे बढ़ें। विशिष्ट अतिथि बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने कहा कि युवा मोबाइल को जरूरत बनाएं न कि लत। कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष प्रो. अनूप भारतीय, प्रो. राकेश द्विवेदी, प्रो. राजकुमार सिंह, डॉ. नीरजा सिंह, डॉ. विक्रम सिंह व डॉ. रमेश त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

2030 तक ऑनलाइन गेमिंग का कारोबार होगा दस खरब डॉलर

प्रति कुलपति प्रो. अरविंद अवस्थी ने कहा कि ऑनलाइन गेमिंग इंडस्ट्री 2030 तक दस खरब डॉलर अर्थव्यवस्था होगी। 2019 से 2021 तक इसमें 26 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। कोरोना ने इसे चरमोत्कर्ष पर पहुंचाया। कार्यक्रम में यह 685 बिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था है। उन्होंने बताया कि पूरी दुनिया में दो बिलियन लोग ऑनलाइन गेमिंग से जुड़े हैं। जो कुल आबादी 7.5 बिलियन का तकरीबन 28 प्रतिशत है। इसमें दो प्रतिशत लोग वे हैं जो इसके लती हैं।

इनाम से लगती है आदत : सिद्धार्थ

मोबाइल गेमिंग कंपनी के सिद्धार्थ शर्मा ने कहा कि ऑनलाइन गेमिंग में लोग इनाम के चक्कर में गेम खेलने लगते हैं, फिर उनको इसकी लत लग जाती है। उन्होंने कहा कि मोबाइल के माध्यम से बहुत सारे प्रलोभन दिए जा रहे हैं। हमें उनमें नहीं फंसना है। गेम फिर्क मनोरंजन के लिए खेलना है। छात्रों को पेरेंटों के माध्यम से बताया गया कि मोबाइल गेमिंग में हमें किन बातों का ध्यान रखना है और किसम समय गेमिंग में देना है।

इधर मोबाइल में व्यस्त रहे विद्यार्थी

ऑनलाइन गेमिंग की लत से मुक्ति पर कार्यशाला में ऐसा नजारा। अमर उजाला

HINDUSTAN PAGE 6

बच्चों के बात, बर्ताव-खानपान में ये बदलाव दिखें तो संभल जाएं

कार्यशाला

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। आपका बच्चा जरा सी बातों पर गुस्सा जाता हैं, काम, पढ़ाई या काम में मन नहीं लगता है तो व्यवहार के बदलाव पर ध्यान देने की जरूरत है। इस बदलाव के पीछे ऑनलाइन गेमिंग की लत हो सकती है। ये बातें एलयू में समाज कार्य विभाग की खेलो मगर ध्यान से कार्यशाला में मनोवैज्ञानिक पीके खत्री ने कही।

कार्यशाला में ऑनलाइन गेमिंग की लत से निजात के तरीके बताए गए। ऑनलाइन गेमिंग और ऑनलाइन गेमिंग की लत पर पीके खत्री ने कहा कि जो व्यक्ति गेम का आदी है, उसके व्यवहार में अचानक बदलाव आ जाएगा, जैसे छोटी-छोटी बातों पर चिढ़ जाना, बहुत कम या बहुत ज्यादा खाना। कोई भी हो, चाहे आप हों या आस-पास कोई, अगर ऐसे लक्षण हैं तो काउंसलर की मदद लेने में संकोच न करें। उन्होंने कहा कि आजकल बड़ी समस्या है कि सबसे पहले माता-पिता या व्यक्ति यह नहीं मानते हैं कि गेमिंग लत लग गई है ऐसा होता भी है तो वे इलाज नहीं तलाशते हैं। लोग मनोवैज्ञानिक, मनोचिकित्सक के कंसेंटर से भी अनजान हैं। यदि गेम की लत है, तो पहले मनोवैज्ञानिक से परामर्श लेना चाहिए।

ऑनलाइन गेम खेलते हुए मोबाइल का कैमरा ढक लें

साइबर विशेषज्ञ चिरंजीव नाथ सिन्हा ने कहा ऑनलाइन गेम खेलते समय मोबाइल या तेपटॉप कैमरे को ढक देना चाहिए। आजकल सब कुछ रिकॉर्ड किया जा रहा है और हम ऑनलाइन धोखाधड़ी या घोटाले का शिकार हो सकते हैं। उन्होंने पोर्नोग्राफी,निजता के अधिकार का उल्लंघन में प्रमुख रूप से उपयोग होने वाली डीप फेक तकनीक की जानकारी दी। छात्रों को बताया गया कि अगर उन्हें गेमिंग का शौक है तो उन्हें इसे जिम्मेदारी से करना चाहिए।

28 फीसदी जीएसटी ऑनलाइन गेम पर लगाने की तैयारी

जीवन बर्बाद कर सकती है ये आदत: ब्रजेश

मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि नशे जैसी घातक है ऑनलाइन गेमिंग की लत है। आप सब विद्यार्थियों के माता पिता, विद्यालय, विश्वविद्यालय पढ़ने भेजते हैं। यहां से निकलकर आप आईएएस, आईपीएस, जन नेता बने तो ठीक हैं वरना जीवन बर्बाद करने से अधिक कुछ नहीं होगा। इसे पाने के लिए आपको मोबाइल की लत छोड़नी होगी। मोबाइल जरूरत का एक संसाधन है जो हमारी आदत न बने तो ज्यादा बेहतर होगा। तकनीकि का जाल वरदान भी है और अभिशाप भी। कोरोना काल में ऑनलाइन शिक्षा के लिए वरदान बने मोबाइल अब छात्रों के लिए लत बन गए हैं। बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने कहा कि विभिन्न राज्यों में सट्टेबाजी गेम पर 18 फीसदी से 28 फीसदी तक टैक्स बढ़ाने की सरकारी नीति है। समाज कार्य विभाग अध्यक्ष अनूप भारतीय ने ऑनलाइन गेमिंग के भारतीयकरण की बात कही।

18 % टैक्स ऑनलाइन सट्टेबाजी पर लागू है

- डिप्टी सीएम ने एलयू में छात्रों को किया जागरूक

छात्रों से विकसित भारत पर सुझाव मांगे

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत@2047 : वायस आफ यूथ का शुभारंभ 11 दिसम्बर को किया गया था। इसी क्रम में एलयू के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय के निर्देशानुसार संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, निदेशक, प्रभारी तथा समस्त प्राचार्यो को पत्र भेजकर 25 दिसम्बर तक अभियान चलाकर छात्र-छात्राओं द्वारा विकसित भारत पर सुझाव मांगे हैं।

JAGRAN CITY PAGE III

एलएल.बी., बी.एससी. एग्रीकल्चर की विषम सेमेस्टर परीक्षाएं 26 से

लखनऊ विश्वविद्यालय ने जारी किया परीक्षा का विस्तृत कार्यक्रम

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने बुधवार को एलएल.बी तीन वर्षीय और एलएल.बी इंटीग्रेटेड, बी.एससी व एम.एससी. एग्रीकल्चर विषम सेमेस्टर परीक्षाओं का परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिया। एल.एलबी और बी.एससी. एग्रीकल्चर की यह परीक्षाएं 26 दिसंबर से शुरू होंगी। छात्र-छात्राएं विस्तृत परीक्षा कार्यक्रम विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.lkouniv.ac.in के माध्यम से डाउनलोड कर सकते हैं।

एलएलबी तीन वर्षीय : प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं 26 दिसंबर से 10 जनवरी, तीसरे सेमेस्टर की परीक्षा 27 से 10 जनवरी, पांचवें सेमेस्टर (ओल्ड कोर्स, एजेंडेंटेड, बैक पेपर) की परीक्षा छह से 19 जनवरी, पांचवें सेमेस्टर रेगुलर की परीक्षा छह से 10 जनवरी तक होंगी।

एलएलबी. इंटीग्रेटेड : प्रथम सेमेस्टर न्यू कोर्स (बैक पेपर) की परीक्षा 26 दिसंबर से आठ जनवरी, प्रथम सेमेस्टर ओल्ड कोर्स बैक पेपर की परीक्षा 26 दिसंबर से आठ जनवरी, तीसरे सेमेस्टर न्यू कोर्स (वर्ष 2021) बैक पेपर की परीक्षा 26 दिसंबर से आठ जनवरी, तीसरे से अंतिम वर्ष तक ओल्ड कोर्स एजेंडेंटेड व बैक पेपर की परीक्षा 26 दिसंबर से 10 जनवरी तक होगी। पांचवें सेमेस्टर न्यू-ओल्ड कोर्स की परीक्षा 27 दिसंबर से 11 जनवरी तक होगी। सातवें सेमेस्टर न्यू और ओल्ड कोर्स की परीक्षा पांच से 20 जनवरी, नवें सेमेस्टर न्यू कोर्स की परीक्षा 27 दिसंबर से छह जनवरी तक होगी।

28 फरवरी तक नहीं जमा की रिपोर्ट तो डी.एड में प्रवेश प्रतिबंधित

राज्य के एल.टी.कॉलेजों, डिग्री कॉलेजों, माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों के सत्रवार पंजीकृत छात्राध्यापकों की सूची 28 फरवरी तक अपलोड करना अनिवार्य है। अन्यथा अगले सत्र में बी.एड पाठ्यक्रम में प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। यह निर्देश बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने दिया है। इसलिए सभी प्राचार्य व लेक्चरर, हरदोई, सीतापुर, लखीमपुर खीरी के छात्राध्यापकों का पंजीकरण 28 फरवरी तक अपलोड कराना सुनिश्चित करें